समसामयिक शोध निबन्ध और समीक्षा

डॉ. छाया चौकसे

Scanned with OKEN Scanner

समसामयिक शोध निबन्ध और समीक्षा

डॉ. छाया चौकसे

अनुज्ञा

Scanned with OKEN Scanner

अनुज्ञा

वैधानिक चेतावनी
पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन – फोटो कापी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक / प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। किसी भी विवाद के लिए न्यायालय दिल्ली ही मान्य होगा।

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2016

ISBN 978-93-83962-39-6

प्रकाशक
अनुज्ञा बुक्स
1/10206, वेस्ट गोरख पार्क
शाहदरा, दिल्ली–110 032
फोन : 011–22825424, 09350809192
email: anuugyabooks@gmail.com

मूल्य : 600.00 रुपये

आवरण : मुन्ना कुमार

मुद्रक
अर्पित एण्टरप्राइजेज, दिल्ली–32

SAMSAMYIK SHODH NIBANDH AUR SAMIKSHA
by Dr. Chhaya Chaukase

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

अपनी बात 9

1. 21वीं सदी की हिन्दी भाषा के वृहद आयाम 11
2. हिन्दी का पहला कवि अमीर खुसरो 16
3. संस्कृति और समाज के महान साधक–तुलसीदास 23
4. मानव धर्म के विश्लेषक – कबीर 28
5. मुक्तिबोध के साहित्य और मूल्य सम्बन्धी विचार 36
6. बीसवीं सदी की खड़ी बोली को महावीर प्रसाद द्विवेदी की देन 41
7. राष्ट्रीय चेतना के कवि श्री मैथिलीशरण गुप्त 49
8. वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में साहित्य का सामाजिक सरोकार 54
9. वर्तमान समाज–परिवेश के मनोवैज्ञानिक कथाकार गोविन्द मिश्र 62
10. समकालीन हिन्दी उपन्यास साहित्य में आदिवासी विमर्श 81
11. वर्तमान मीडिया के युग में भारतीय मूल्य–बोध 87
12. नयी कविता के प्रति मुक्तिबोध की अन्त:प्रक्रिया 91
13. स्वतन्त्र्योत्तर काल में कथा–साहित्य के विविध आयाम 103
14. स्वतन्त्र भारत में हिन्दी व्यंग्य 107
15. आधुनिक हिन्दी कथा लेखिकाओं की अनुभूतिगत अभिव्यक्ति का विश्लेषण 110
16. घरेलू हिंसा–कामकाजी महिलाएँ 115
17. मीडिया और नारी 119
18. हाथों में आसमान है 122
19. मुस्लिम भक्त कवियों का सांस्कृतिक समन्वय 126

Scanned with OKEN Scanner

20. बुन्देली भाषा के विविध आयाम 135
21. बुन्देलखण्ड की विवाह लोक-परम्परा के बन्ना गीत 139
22. मुक्तिबोध की माँ 148
23. सागर शहर/गाँव-मोहल्ले की संवेदना का कवि रमेश दत्त दुबे 153
24. मानवीय समृद्धि और समग्रता के संस्मरणकार डॉ. कान्तिकुमार जैन 157
25. व्यंग्य अभिव्यक्ति की प्रखर प्रतिभा 165
26. हिन्दी साहित्य में व्यक्त संसद और जनतन्त्र की खामियाँ 167
27. समकालीन भारतीय परिवेश की पतनोन्मुखता 172
28. कृष्णायन महाकाव्य के उद्देश्य की उपादेयता 176
29. बुन्देली संस्कृति के प्रचलित स्वास्थ्य एवं नीति सम्बन्धी उक्तियाँ 180
30. यथार्थ की गम्भीरता में उतारने वाला व्यंग्य 184
31. सूरज सबका है–विद्यासागर नौटियाल 189
32. विस्रामपुर का सन्त–श्री लाल शुक्ल 196
33. सृजन की सांस्कृतिक चेतना–डॉ. मिश्र की कृति का आकलन 201
34. लोक-जीवन के कलाकार की प्रेम कहानी 203
35. आत्मचिन्तन की भावमुक्तावली 205
36. सांसारिक सत्य का साक्षात्कार 210
37. आत्मसंघर्ष की कविताएँ 215

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. छाया चौकसे

जन्म : 1 जून, 1959, जबलपुर, मध्य प्रदेश

शिक्षा : एम.ए., पी-एच. डी.

रुचि : आकाशवाणी एवं दूरदर्शन से कविताएँ प्रसारित / काव्य-लेखन एवं समीक्षा-लेखन

प्रकाशन :

1. मुक्तिबोध का गद्य साहित्य : एक अध्ययन (1990) 2. हमारा बुन्देलखण्ड - 2015 3. लगभग 35 सन्दर्भ लेख पुस्तक एवं पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित।

उपलब्धियाँ : 1. मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के संस्कृति विभाग से लघु शोध परियोजना हेतु शिक्षा प्रोत्साहन पुरस्कार से पुरस्कृत 2. मेरिट छात्र वृत्ति प्राप्त 3. स्नातक स्तर पर 1979 में हिन्दी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने हेतु रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर से ऊषा देवी मैत्रा स्वर्ण पदक प्राप्त राज्यपाल बी.एम. पुनाचा द्वारा सम्मानित 4. म.प्र. राष्ट्र भाषा प्रचार समिति भोपाल से हिन्दी-प्रसार सहयोग हेतु सम्मानित 5. जे.एम.डी. पब्लिकेशन दिल्ली द्वारा विशिष्ट हिन्दी सेवी सम्मान वर्ष 2014 6. विशेष महिला सम्मान नगर विधायक शैलेन्द्र जैन द्वारा 2013 7. शिक्षक सम्मान नगर विधायक शैलेन्द्र जैन द्वारा क्रमश: 2013/14/15 8. सर्वोदय विद्यापीठ पिपरिया द्वारा साहित्यिक योगदान हेतु 'काव्यश्री' सम्मान 2014 9. सचिव, इण्टरनेशनल लायन्स क्लब सागर झील रीजन पर्सन अंशु सागर द्वारा सहयोग सम्मान से सम्मानित। 10. म.प्र. कल्चुरी महासभा द्वारा सम्मानित

राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठियों में सहभागिता।

आजीवन सदस्य : 1. म.प्र. राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, भोपाल 2. विश्व हिन्दी परिषद, इलाहाबाद 3. राष्ट्रीय कल्चुरी महासभा की आजीवन सदस्य 4. अखिल भारतीय हिन्दी साहित्य परिषद 5. म.प्र. कल्चुरी महिला समिति की आजीवन सदस्य।

Scanned with OKEN Scanner

₹ 600
9789383962396

अनुज्ञा बुक्स
दिल्ली-110032

Scanned with OKEN Scanner